नव भारत
1934 से

प्रमुख घटना क्रम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक

- **3 मई**: नीट -यूजी 2026 आयोजित; प्रश्नपत्र लीक होने के आरोप सामने आए.
- **12 मई**: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द की; सरकार ने सीबीआई जांच के आदेश दिए.
- **20 जून**:सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया.
- **21 जून**: नीट -यूजी की दोबारा परीक्षा आयोजित की गई.
- **28 जून**: सोनम वांगचुक आंदोलन में शामिल हुए, भूख हड़ताल शुरू की.
- **18 जुलाई**: वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया; विरोध प्रदर्शन तेज़ हुए.
- **20 जुलाई**: संसद तक मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई से और ज़्यादा आक्रोश फैला.
- **24 जुलाई**: वांगचुक ने अनशन खत्म की.
- **24 जुलाई**: केंद्र ने सीजेपी नेताओं के साथ बातचीत की; कैबिनेट ने नकल-रोधी सख्त़ बिल को मंजूरी दी.
- **25 जुलाई**:धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया.

छात्रों के आगे झुकी सरकार, धर्मेंद्र का इस्तीफा

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है.धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर इस्तीफा देने की वजह भी बताई. धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा प्रधानमंत्री के सहमति के बाद राष्ट्रपति ने स्वीकार कर ली है. प्रधान ने अपने पोस्ट में लिखा, पिछले 10 दिन का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दु:खी है. जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे. इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है. इस्तीफा देने से पहले धर्मेंद्र प्रधान ने अमित शाह से भी मुलाकात की है. वहीं, 24 घंटो में सरकार की ओर से यह दूसरा इस्तीफा है.

सरकार और सीजेपी के बीच इन मुद्दों पर बनी सहमति

- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी केस वापस लिए जाएंगे
- भविष्य में प्रदर्शनकारियों पर कोई एक्शन नहीं होगा
- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, हमारी पहली मांग पूरी
- मंगलवार तक लिखित गारंटी दी जाएगी

नईदिल्ली, 25 जुलाई.12 साल में पहली बार सरकार 36 दिनों के आदोंलन के बाद छात्रों के सामने नतमस्तक हुई, आखिरकार सरकार ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर ले लिया. जैसे ही यह सूचना जंतर-मंतर पर पहुंची तो वहां जश्न का माहौल उत्पन्न हो गया. इसके बाद प्रदर्शनकारी विद्यार्थी खुशी से झूमने लगे. प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों ने मिठ्ठाइयां बांटी और एक-दूसरे ... शेष पेज 2 पर

सरकार झुकती है झुकाने वाला चाहिए : अभिजीत

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि छात्र एकता जिंदाबाद, हम जीत गए. ये कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन हमने कहा कि झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए.

दीपके ने सीजेआई सूर्यकांत को कहा शुक्रिया: हमें कॉकरोच न कहा होता, तो प्रधान ने इस्तीफा न दिया होता. कहां कि मैं चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने हमें कॉकरोच कहा. अगर आपने हमें कॉकरोच नहीं कहा होता, तो प्रधान इस्तीफा नहीं देते.

सरकार ने सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा,आज हमारी लंबी बातचीत हुई, सीजेपी ने मुझे जो पांच-सूत्रीय चार्टर दिया है, वह शिक्षा परीक्षाओं में सुधार से संबंधित है। हम शिक्षा परीक्षाओं में सुधार के लिए आपके चार्टर पर गंभीरता से विचार करेंगे और सीजेपी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के बाद हम जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करने का प्रयास करेंगे।

प्रहलाद जोशी बने नए शिक्षा मंत्री

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के कुछ घंटों बाद करीब 8.15 बजे, भाजपा नेता प्रहलाद जोशी को नया केंद्रीय शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया. जोशी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं. इनका जन्म :27 नवंबर 1962, बीजापुर (अब विजयपुर), कर्नाटक में हुआ है. 2004 से लगातार धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के सदस्य के पद पर रहे.

छात्रों की हुई जीत : राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर देशभर के छात्रों और युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह छात्रों की सबसे बड़ी जीत है. राहुल ने इस निर्णय को देश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की दिशा में बड़ा कदम बताया है. श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि देशभर के उन सभी छात्रों और युवाओं को हार्दिक बधाई, जिन्होंने अपने अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए मजबूती से संघर्ष किया. श्री प्रधान के इस्तीफे को लोकतंत्र और संविधान की जीत बताते हुए उन्होंने कहा कि यह अपने भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले छात्रों की यह बड़ी जीत है.

एक नजर में

ऊर्जा सुरक्षा की मजबूत नींव :हरदीप पुरी

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक नए अध्याय की शुरुआत बताया. केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिसने देश के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन (ईएंडपी) क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाया है. महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है. इन कुओं के माध्यम से देश के सबसे संभावनाशील ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा.

पेपर लीक : विधेयक कल लोकसभा में पेश होगा

नई दिल्ली. पेपर लीक रोकने के लिए कानून और सख्त करने वाला संशोधन विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया जायेगा. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में इस विधेयक के प्रारूप को मंजूरी प्रदान की थी. लोकसभा की कार्यसूची के मुताबिक, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक , 2026 लोकसभा में पेश करेंगे. सरकार की योजना उसी दिन विधेयक पर चर्चा कराने की भी है. यह विधेयक लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक, 2024 में संशोधन करने के लिए लाया गया है.

युवाओं से संवाद करने की जरूरत : भागवत

भागवत की सीख- शक्ति नहीं, संवाद से बनता है समाज

नई दिल्ली, 25 जुलाई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को राजधानी दिल्ली में आयोजित विश्व मांगल्य सभा के एक सेमिनार में नई पीढ़ी, परिवार और समाज की बदलती भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे.

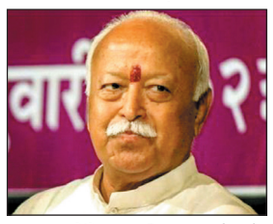

उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं को केवल आदेश देकर नहीं चलाया जा सकता, बल्कि उनके साथ लगातार संवाद स्थापित करना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी हर बात पर सवाल करती है और यह बदलाव स्वाभाविक है. ऐसे में बड़ों की जिम्मेदारी है कि वे हर विषय के पीछे का तर्क समझाएं और युवाओं की जिज्ञासाओं का सम्मान करें.

> भागवत ने कहा कि पहले के समय में माता-पिता या परिवार के बुजुर्गों की बात अंतिम मानी जाती थी. उस समय बिना किसी बहस के उनकी बात स्वीकार कर ली जाती थी, लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं. नई पीढ़ी हर निर्णय के पीछे कारण जानना चाहती है और यह उनकी जागरूकता का संकेत है.

लोकतंत्र की जीत हुई है : सोनम वांगचुक

नई दिल्ली, 25 जुलाई. कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन को समाप्त करने के ऐलान के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र की जीत करार दिया.

उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की पहल से यह संदेश गया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की

आवाज सुनी जाती है. हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब असली चुनौती शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की है. वांगचुक ने कहा कि इस पूरे आंदोलन ने देश में जवाबदेही तय करने का काम किया है. अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थियों के हित में बनाया जाएगा. उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी, छात्रों और आंदोलन में शामिल सभी लोगों ने जिस संयम और शांति का परिचय दिया, वह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है.

त्वरित सुनवाई के लिए प्रदेश में चार स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट

जबलपुर, 25 जुलाई. सार्वजनिक परीक्षाओं में गड़बड़ी से संबंधित अपराध की त्वरित सुनवाई के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य में चार स्पेशल फास्ट-ट्रैक कोर्ट तय किए हैं. फास्ट-ट्रैक सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम, 2024 और इससे जुड़े अपराधों के तहत सुनवाई करेंगे.

फास्ट-ट्रैक कोर्ट की स्थापना जबलपुर, इंदौर, भोपाल व ग्वालियर में की गयी है. हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया के आदेशानुसार भोपाल में जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण पटेल ग्वालियर में जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल अखंड, जबलपुर में जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार सेहलम और इंदौर में जिला और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. शुभ्रा सिंह को फास्ट-ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त किया गया है. फास्ट-ट्रैक कोर्ट पेपर लीक, अनुचित साधनों का इस्तेमाल, प्रतिरूपण और परीक्षा से जुड़ी अन्य गड़बड़ियों वाले अपराधों की तेजी से सुनवाई करेंगे.

आज 400 युवाओं से संवाद करेंगे मोदी

नई दिल्ली 25 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार शाम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के 400 से अधिक प्रतिभागियों के साथ संवाद करेंगे.

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, जिसे 'माई भारत प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, की परिकल्पना प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए की गई है, जिसके अनुसार भारत के सीमावर्ती गाँवों को राष्ट्र के प्रथम गावों के रूप में माना जाए तथा उन्हें विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाया जाए. विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 का आयोजन चार जून से 30 जून तक दो चरणों में किया गया, जिसमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट गाँवों को सम्मिलित किया गया.

सारनाथ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल, पीएम ने जताई खुशी

उत्तर प्रदेश में स्थित प्राचीन बौद्ध स्थल सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है और यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में लिया गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर खुशी जताया श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सद्भाव का कालजयी संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है.

हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन से भारत ने रचा इतिहास

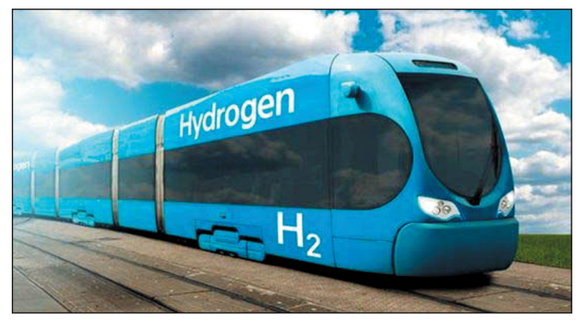

3200 लीटर डीजल की बचत की

नई दिल्ली, 25 जुलाई. भारत की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को 17 जुलाई, 2026 को दिल्ली क्षेत्र के जींदङ्क्सोनीपत रेलखंड पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. शुरुआत के बाद से यह ट्रेन 1,200 किलोमीटर से अधिक की सफल यात्रा पूरी कर चुकी है, जिससे 3,200 लीटर से अधिक डीज़ल की बचत हुई है.

यह ट्रेन शून्य टेलपाइप कार्बन उत्सर्जन के साथ केवल जलवाष्प छोड़ती है और भारतीय रेल के स्वच्छ एवं सतत परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है. यह ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया के माध्यम से फ्यूल सेल के भीतर ही बिजली उत्पन्न करती है. इसी विद्युत ऊर्जा से ट्रेन संचालित होती है. इस पूरी प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है. न धुआँ निकलता है और न ही टेलपाइप से कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान रेल प्रणोदन तकनीकों में सबसे स्वच्छ विकल्प बनकर उभरी है.

> भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित यह परियोजना पूरी तरह स्वदेशी पहल है. 10 कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार लगाई गई हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट शक्ति प्रदान करती हैं. इसके अलावा ट्रेन में लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियां और हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं, जो इसकी ऊर्जा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं. इस परियोजना के तहत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण सुविधा स्थापित की गई है. यहां 500 बार तक के दाब पर ग्रीन हाइड्रोजन का भंडारण किया जा सकता है.

सवाल इस्तीफा अपने पीछे कई जीवंत सवालों को छोड़ गया जो ऐतिहासिक तथ्यों के साथ सत्ता के शीर्ष को झकझोरता रहेगा

पहली बार राजनीतिक दबाव में सरकार

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,25 जुलाई.नीट पेपर लीक विवाद, देशव्यापी छात्र आंदोलन के प्रचंड दबाव व विपक्षी दलों के आक्रामक तेवरों के कारण सरकार के इकबाल पर उठते सवालों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा अपने पीछे कई जीवंत सवालों को छोड गया जो ऐतिहासिक तथ्यों के साथ सत्ता के शीर्ष को झकझोरता रहेगा.

केंद्र में पिछले 12 वर्षों के राजग शासनकाल में यह पहला मौका है जब सरकार को किसी बड़े जन-आंदोलन और चौतरफा राजनीतिक दबाव के सामने घुटने टेकने पड़े हैं और किसी कैबिनेट मंत्री को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी है.

राजनाथ सिंह का कभी का वह मशहूर बयान जो राजनीतिक गलियारों में सुना ,जिसमें उन्होंने वर्षों पहले कहा था कि 'राजग सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं होते' आखिरकार वक्त के चक्र और युवा आक्रोश के थपेड़ों से टूट गया है. यह इस्तीफा केवल एक मंत्री का जाना नहीं है, बल्कि यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को अनंत काल तक अनसुना नहीं किया जा सकता. इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में देश के करोड़ों छात्रों और युवाओं का वह स्वत:स्फूर्त और संगठित आक्रोश है, जो परीक्षा प्रणालियों के कथित तौर पर ध्वस्त होने से उपजा है. दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी और विभिन्न छात्र संगठनों का एक महीने से अधिक समय से जारी धरना, सोनम वांगचुक का 26 दिनों का कड़ा अनशन और देश के कोने-कोने में सड़कों पर उतरे छात्रों के गुस्से ने सरकार को बैकफुट पर ला दिया. इतना ही नहीं जानकार बता रहे हैं कि इस छात्र आंदोलन को धार देने और इसे संसद से सड़क तक एक बड़ी राजनीतिक चुनौती में बदलने का काम विपक्ष, विशेषकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आक्रामक तेवरों ने किया.

> राहुल गांधी ने जिस तरह सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को कटघरे में खड़ा किया, लाठीचार्ज और पैलेट गन से घायल छात्रों के साथ मीडिया से रूबरू होकर सीधे सरकार की साख पर प्रहार किया, उसने विपक्ष की नई और मजबूत स्थिति को रेखांकित किया. संसद में चर्चा को रोकने की चेतावनी और धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी से कम कुछ भी मंजूर नहीं का उनका अड़ियल और स्पष्ट रुख रंग लाया. विपक्ष ने इस मुद्दे को सीधे मोदी के गिरते विश्वास और सरकार की गिरती साख के.... शेष पेज 2 पर